श्री दिग्विजय सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री शरद यादव (बिहार): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री अली अनवर अंसारी (बिहार): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूं।

श्री नरेन्द्र बुढानिया (राजस्थान): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All right. ... *(Interruptions)*... Names of all those Members who have associated would be added. ...*(Interruptions)*... All right, all names would be added. ...*(Interruptions)*... Now, Shri Revati Raman Singh.

Condition of toilets constructed under the National Cleanliness Campaign

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, कई दिनों के प्रयास के बाद आज मेरा यह Zero Hour लग पाया है, जिसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

मान्यवर, मैं जो सवाल उठाने जा रहा हूं, यह पूरे देश से जुड़ा हुआ है और अत्यंत महत्वपूर्ण भी है। अभी 2014 में जब यह सरकार बनी, तब इसने बड़े जोर-शोर से "स्वच्छ भारत" की घोषणा की। और यह भी कहा कि महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजली देने के लिए स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की जा रही है, जिस में ग्रामीण अंचलों व शहरों में शौचालयों का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाएगा, लेकिन मान्यवर दुःख के साथ कहना पड़ रहा है कि जो आंकड़े प्रकाश में आए हैं, उसके अनुसार जहां लगभग 1 करोड़ शौचालय बनने थे, उनमें से 50 लाख शौचालयों का इस्तेमाल ही नहीं हो रहा है। उनका इस्तेमाल गांवों में उपलों व दूसरा सामान रखने के लिए हो रहा है। उनमें और भी काम हो रहा है।

मान्यवर, सरकार ने जब यह योजना लागू की थी, तब सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि इस का कार्यान्वयन ठीक ढंग से हो। मेरा मानना है कि शौचालय घर में और दूसरी जगहों पर बनने चाहिए क्योंकि इन के न होने का सब से ज्यादा बुरा असर बच्चों पर पड़ता है। उसमें भी यह अनुसूचित जाति के बच्चों पर सब से अधिक पड़ता है। उन्हें डायरिया और पानी की तमाम ऐसी बीमारियां होती हैं, जिन से उनकी मृत्यु तक हो जाती है।

मान्यवर, यह बात मैं राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संस्थान द्वारा किए गए सर्वे के नतीजों के आधार पर बता रहा हूं। मान्यवर, सीएजी ने भी इस संबंध में सवाल उठाए हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over. ...*(Interruptions)*... Time is over. ...*(Interruptions)*... What do I do? ...*(Interruptions)*... You have made your point. ...*(Interruptions)*... Names of all those Members who are associating themselves with it may be noted. ...*(Interruptions)*... You have made your point. That is okay.

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): डिप्टी चेयरमैन सर, आदरणीय रेवती रमन सिंह जी ने जो मुद्दा उठाया है, वह निश्चित तौर से महत्वपूर्ण है। प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने "स्वच्छ भारत व स्वस्थ्य भारत" के संकल्प को लेकर सभी जगहों पर toilets बनाने का एक बहुत ही क्रांतिकारी अभियान शुरू किया है और बहुत जगहों पर इस कार्यक्रम की सफलता सामने आयी है। आदरणीय रेवती रमन सिंह जी ने कहा है कि कई राज्यों व कई स्थानों पर शौचालय काम नहीं कर रहे हैं या उनका उपयोग कुछ और कामों के लिए हो रहा है। मैं निश्चित तौर पर संबंधित मंत्री जी से इस बारे में कहूंगा कि रेवती रमन सिंह जी ने इस तरह की बात कही है।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

†جناب جاوید علی خان (اترپردیش): مہودے، میں بھی اس موضوع سے خود کو سمبدھ کرتا ہوں۔

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

डा. चन्द्रपाल सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI NEERAJ SHEKHAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Serious situation of health services in rural areas due to shortage of doctors

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): आदरणीय उपसभापति महोदय, देश की दो-तिहाई आबादी गांवों में रहती है, लेकिन वहां पर डॉक्टरों की उपलब्धता एक चौथाई है। सिर्फ 35 फीसदी सरकारी डॉक्टर्स

---

†Transliteration in Urdu script.